इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, वृहस्पतिवार, 8 सितम्बर 2022

ख्याति नदी की भाँति अपने उद्गम स्थल पर क्षीण ही रहती है किंतु दूर जाकर विस्तृत हो जाती है।
-भवभूति

वर्ष 15 अंक 8 मूल्य 3-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 36.2°C (+2.39) न्यूनतम 27.1°C(+2.1) सेंसेक्स 59,028.91 (-168.08) निफ्टी 17,624.40 (-031.20) सोना 50,770 चांदी 52,800 मुद्रा - डालर 79.91 दिरहम 21.73 रियाल 21.28

एरा विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

लखनऊ (सं)। एरा विश्वविद्यालय के खाद्य और पोषण विभाग ने 1-7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया है। इस वर्ष कार्यक्रम का विषय स्वास्थ्य, शिखा, संरक्षण सुपोषित भारत था। कार्यक्रम का संयोजन विभाग की प्रमुख और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कहकशां परवीन ने किया।

समापन सत्र में एरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. अब्बास महदी भी उपस्थित थे। उन्होंने विभाग के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में इस तरह के आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन एक सितम्बर को चरक अस्पताल के डायटेटिक्स विभाग की आहार विशेषज्ञ डॉ. इंदुजा दीक्षित ने किया। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य

में पोषण के महत्व के बारे में बताया। सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने पोस्टर, पेंटिंग और स्लोगन प्रतियोगिता, रेसिपी प्रतियोगिता, मॉडल मेकिंग, पोषण पाठशाला जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया। कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मिन्हाज अख्तर उस्मानी, सहायक प्रोफेसर डॉ. शिखा सिंह, राधिका अवस्थी व कल्पना सिंह शामिल हुईं। बुधवार को समापन सत्र में डॉ. कहकशां परवीन ने कहा कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2021 में भारत 116 देशों में 101वें स्थान पर है और कुपोषण देश भर में मौत का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि पोषण सप्ताह का फोकस लोगों को पोषण, स्वस्थ जीवन शैली और संतुलित आहार के महत्व के बारे में शिक्षित करना है।

मुख्य अतिथि के तौर पर सीएसआईआर-सीएफटीआरआई के डॉ. पी.पी. गोथवाल को आमंत्रित किया गया था। डॉ. गोथवान ने सीएफटीआरआई में हो रही नई खाद्य प्रौद्योगिकियों और भविष्य में खाद्य और पोषण के छात्रों को कैसे लाभ हो सकता है, इस पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को उद्यमिता के लिए व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए आमंत्रित किया। सीएसआईआर- सीआईएमएपी डॉ. अनिर्बान पाल ने न्यूट्रास्युटिकल विकास के लिए बायोएक्टिव घटकों के अलगाव पर ध्यान केंद्रित किया। विज्ञान के डीन फैकल्टी डॉ. अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने सभी छात्रों को इस क्षेत्र में अधिक से अधिक रहने और पेटेंट प्राप्त करने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मिन्हाज अख्तर उस्मानी द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।